सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 24 JULY TO 30 JULY 2020 • VOLUME- 1 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

No Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

किसकी मर्जी से चल रहे है जालंधर में ओवर लोडिड वाहन

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

रोजाना जालंधर शहर के अंदरूनी मार्गो या राष्ट्रीय राज मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी में ओवर लोडिड वाहन सड़कों या फ्लाई ओवरो पर पलटे हुए दिखाई देंगे ।

अनेकों बार जालंधर ब्रीज द्वारा इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए आर.टी.ए. दफ्तर ओर ट्रैफिक पुलिस विभाग के ध्यान मे लाया गया परन्तु भ्रष्ट अफसर कुम्भ करण की नींद मे सोए हुए है और आज सुबह बजरी से भरा ट्रक पीएपी फ्लाई ओवर पर जो की ओवर लोडिड था पलट गया और इसके द्वारा किये गए नुकसान के लिए कौन जिम्मेवार है।

पिछले कुछ वर्षो से समाचार पत्रों के माध्यम से पढ़ने को मिलता आ रहा है की बी.एस.एफ चौंक या फगवाड़ा चौंक पर ट्रक पलटने से किसी मासूम की जान चली गयी।

इसके लिए सरकार को आई पी सी की धारा के अंतर्गत साजिश करता के रूप मे मुकद्दमे मे शामिल कर इन भ्रष्ट अफसरों और आर. टी. ए. अधिकारियों के उपर इरादे कत्ल का मामला दर्ज किया जाए।

खतरे से भरा है सड़क पर सफर प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनायें

■ जालंधर/ब्रीज

मौसम बदल रहा है और धूंध भी बढ़ने लगी है कुछ मौसम के कारण और कुछ प्रदूषण के कारण और बढ़ती ट्रैफिक भी एक कारण है। परन्तु इसके प्रति न तो नगर प्रशासन और न पुलिस विभाग संवेदनशील दिखाई देता है। हां इतना तो अवश्य है कि हम सड़क सुरक्षा सप्ताह या इसी प्रकार के और समारोहों का आयोजन नहीं भूलते। लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सचेत तो करते है परन्तु पालन करना हमारे लिए कुछ मुश्किल है भूंकि इससे हमारे निजी हितों का हनन है। हमें स्कूटर पर सवार व्यक्ति के हैलमैट का ध्यान अधिक रहता है परन्तु ओवर लोड भूसे और चारे वाली ट्राली नहीं दिखती किसी वृद्ध अथवा बालक या दिव्यांग को सड़क पार करवाने की चिन्ता से अधिक चिन्ता दूसरे राज्यों से आ रहे भारी वाहनों की चिन्ता होती है कि हमें उसके सही कागज पत्रों में भी कमी-बेशी दिखाकर उससे कुछ ना कुछ ऐंठना होता है।

हमें रात भर सड़क किनारे बिना किसी इंडीकेशन के खड़े ट्रक-ट्रालियां जो हादसों का कारण बनती है, वो क्यों नहीं दिखती ? और ओवर लोड ट्रक व गन्ने से भरी इधर-उधर झूलती ट्रालियां व ओवर स्पीड गाड़ियां जो कंट्रोल से बाहर होकर सड़क डिवाईडरों के पार दूसरी ओर चल रहे वाहनों को भी दुर्घटना ग्रस्त करती है। दिन प्रति दिन धूंध के कारण विजिबलटी के कारण रास्ता देख पाना मुश्किल हो जाता है नगर प्रशासन को जहां सड़क पर सेफटी संकेत लाईट्स इत्यादि की ओर ध्यान देना एवं वाहन चालन सीमा और समय पर ध्यान देना जरूरी है। वहीं ट्रैफिक पुलिस को ओवर लोडिंग और ओवर स्पीड पर नियंत्रण एवं जन सुविधा के लिए सड़क नियमों का सख्ती से पालन करवाने पर ध्यान देना जरूरी है ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके पुलिस के राजिनाकों का तभी कुछ लाभ है जब दुर्घटनायें कम हो सरकारी खजाने से ज्यादा जरूरी है लोगों की जीवन सुरक्षा जिसके लिए सिर्फ पुलिस उत्तरदायी है।

दुर्घटना से कोई परिवार न उजड़े उसके लिए पुलिस विभाग को सदैव तत्पर रहना पड़ेगा ताकि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

जालंधर ब्रीज पहले भी अपने अखबार के माध्यम से आँखे मूद बैठे प्रशासन का सचेत कर चुका है कि हाईवे पर होने वाले हादसों को रोका जा सकता है।

न्यूज

लालकृष्ण आडवाणी से मिले गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बाबरी केस में सुनवाई से ठीक पहले गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच लगभग आधे घंटे तक बातचीत हुई। 5 अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन भी होना है ऐसे में गृहमंत्री अमित शाह की आडवाणी से इस भेंट को काफी अहम माना जा रहा है। वहीं 24 जुलाई को बाबरी मामले में आडवाणी की पेशी भी है। वह वीसी से अपना बयान दर्ज कराएंगे। इस मामले को लेकर 92 वर्षीय आडवाणी से मुलाकात के दौरान शाह के साथ सरकारी वकील भी मौजूद थे। आडवाणी बाबरी मस्जिद केस के अभियुक्तों में एक हैं।

जाधव मामले में पाक का एक और ड्रामा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाक की इमरान सरकार ने बुधवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में कुलभूषण जाधव मामले में अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले को लागू करने के लिए एक वकील नियुक्त करने की मांग की है। इसके संबंध में सरकार ने एक याचिका दायर की है। कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि, इस्लामाबाद हाई कोर्ट को आईसीजे के फैसले के अनुसार सैन्य कोर्ट के फैसले की समीक्षा व पुनर्विचार करने वकील नियुक्त करना चाहिए। इमरान सरकार ने यह रुख तब अपनाया है, जब हाल ही में पाक ने बताया था कि वह जाधव को तीसरी राजनयिक पहुंच मुहैया करा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में राजस्थान की सियासी जंग

हमारा पक्ष सुने बिना आदेश जारी ना हो : पायलट खेमा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजस्थान में चल रहे सियासी जंग में एक के बाद एक वार किए जा रहे हैं। बुधवार को राजस्थान विधानसभा के स्पीकर सीपी जोशी राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं, जिसके बाद पायलट खेमे की ओर से कोर्ट में कैविएट दायर की गई है। उनकी तरफ से आग्रह किया गया है कि कोर्ट उनका पक्ष सुने बिना आदेश जारी ना करे। दरअसल, स्पीकर जोशी हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत पहुंचे हैं, जिसमें कोर्ट ने पायलट को राहत देते हुए स्पीकर से 24 जुलाई तक उनपर कोई कार्रवाई न करने का आदेश जारी किया है। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

फोन टैपिंग मामले की गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में विधायकों की खरीद-फरोख्त कर तख्तापलट करने की साजिश में एक केंद्रीय मंत्री का नाम आने के बाद अब केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। गृह मंत्रालय ने फोन टैपिंग के मामले में राजस्थान सरकार से जवाब तलब किया था। इस पर राज्य सरकार ने गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेज दी है। राज्य सरकार की रिपोर्ट में फोन टेपिंग का आधार और इनपुट्स सहित अन्य विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत ब्यौरा दिया गया है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने पीएम को लिखा पत्र

राज्य में अपने पूर्व डिप्टी सचिन पायलट के साथ 18 विधायकों के बागी होने के बाद सरकार बचाने के संकट से जूझ रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखते हुए **राजस्थान सरकार को अस्थिर करने के प्रयास का** आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधियों की खरीद फरोख्त के जरिए सरकार को अस्थिर करने की कोशिश हो रही है। 19 जुलाई को लिख गए इस पत्र में गहलोत ने लिखा- मुझे नहीं पता कि किस हद तक आपको यह सब जानकारी में है अथवा आपको गुमराह किया जा रहा है।

सभी 11 दोषी पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

मानसिंह हत्याकांड में जिला कोर्ट का अहम फैसला

मथुरा ■ एजेंसी

बहुचर्चित राजा मानसिंह हत्याकांड में दोषी करार दिए 11 पुलिसकर्मियों को मथुरा डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही सभी को 10-10 हजार का जुर्माना भी देना होगा। मथुरा डिस्ट्रिक्ट जज साधना रानी ने यह सजा सुनाई है। दोषियों के यह जुर्माना राशि राजस्थान सरकार को देनी होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने तीनों मृतकों के परिजनों को 30-30 हजार रुपए और घायल चार लोगों को दो-दो हजार रुपए देने के निर्देश दिए हैं। वहीं 35 साल से चल रहे इस मुकदमे को मथुरा डिस्ट्रिक्ट जज साधना रानी ठाकुर ने मंगलवार को तीन अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है।

हत्याकांड में ये लोग हैं दोषी

1 कान सिंह भाटी, सीओ	7 सुखराम, कांस्टेबल
2 वीरेन्द्र सिंह, एसएचओ	8 जीवन राम, कांस्टेबल
3 रवि शेखर, एएसआई	9 हरि सिंह, कांस्टेबल
4 छत्तर सिंह, कांस्टेबल	10 तेर सिंह, कांस्टेबल
5 पदमा राम, कांस्टेबल	11 भंवर सिंह, कांस्टेबल
6 जगमोहन, कांस्टेबल	

ये पुलिसकर्मी हुए बरी

अदालत ने तीन पुलिसकर्मियों को बरी किया है। इनमें से किसी पर भी हत्या का आरोप नहीं था। इन्हें सीबीआई ने अपनी जांच में कागजों में हेराफेरी करने का आरोपी बनाया था। इनमें निरीक्षक कान सिंह सिरवी, जीडी लेखक हरी किशन व गोविंद प्रसाद आरोपी थे।

ये था घटनाक्रम

राजस्थान का बहुचर्चित राजा मानसिंह एनकाउंटर केस 21 फरवरी, 1985 को हुआ था। भरतपुर के राजा मान सिंह व दो अन्य लोगों की भरतपुर में हत्या हुई थी। उनके दामाद विजय सिंह ने डीग (राजस्थान) थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकदमे में बताया गया कि 21 फरवरी को दोपहर में राजा मान सिंह अनाज मंडी से जा रहे थे। यहां उनका सामना डीग के तत्कालीन डिप्टी एसपी कान सिंह भाटी से हुआ। यहां फायरिंग में राजा मान सिंह, उनके साथी सुमेर सिंह और हरी सिंह की मौत हो गई। जिस वक्त राजा की मौत हुई, उनकी उम्र 64 वर्ष थी। विजय सिंह ने कान सिंह भाटी और एसएचओ वीरेंद्र सिंह समेत 17 के खिलाफ हत्या की धाराओं में केस दर्ज कराया था।

राजधानी में बीस हजार के इनामी बदमाश से पुलिस की मुठभेड़, चलीं गोलियां

भोपाल, (आरएनएन)। राजधानी भोपाल में पुलिस और भगोड़े बदमाश शेखर लोधी के बीच बुधवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे मुठभेड़ हो गई। आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए देसी पिस्टल से छह राउंड फायर किए। बचाव में पुलिस ने आरोपी पर फायरिंग की। दो गोली बदमाश के पांव में लगने के बाद वह घायल हो गया। जिसे पकड़कर पुलिस ने हमीदिया अस्पताल में भर्ती करा दिया है। जहां उसका उपचार चल रहा है। एसपी साउथ साईं कृष्ण थौटा के अनुसार बदमाश शेखर लोधी छोला इलाके के रहने वाला है। उसके खिलाफ छोला और निशातपुरा थाने में एनडीपीएस, मारपीट और हत्या जैसे करीब 18 अपराध दर्ज हैं। करीब आठ माह पहले छोला इलाके में शेखर ने एक हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में वह फरार चल रहा था। उस पर बीस हजार का इनाम घोषित था। तब से ही पुलिस को शेखर की तलाश थी। **(पेज-3 भी देखें)**

जवाबी फायरिंग में अपराधी घायल, पैर में लगी दो गोली

जब महीनों बाद अपने पुराने साथियों के साथ सिंधिया का हुआ आमना-सामना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस का हाथ छोड़ भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम चुके ज्योतिरादित्य सिंधिया का बुधवार को महीनों बाद अपने पुराने साथियों से आमना-सामना हो गया। बुधवार को राज्यसभा में नए सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह था।

सिंधिया बीजेपी की ओर से राज्यसभा में सांसद चुने गए हैं। ऐसे में समारोह के दौरान उनका पुराने साथी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह से सामना हो गया। दोनों नेताओं की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वो सदन में एक-दूसरे के सामने हाथ जोड़कर एक-दूसरे का अभिवादन कर रहे हैं। दोनों ने ही मास्क लगा रखा है। दोनों के अभिवादन में पिछले महीनों में आई कड़वाहट कहीं छिप गई है।

बता दें कि सिंधिया राज्यसभा के उन 61 नए सांसदों में शामिल हैं,

सदन में एक-दूसरे के सामने हाथ जोड़कर किया अभिवादन

जिन्होंने सदन में सत्र के बिना ही शपथ लिया है। शपथ लेने से पहले उन्होंने दिग्विजय सिंह से ही नहीं कांग्रेस के दूसरे वरिष्ठ नेताओं-गुलाम नबी आजाद व मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की।

सोशल मीडिया पर इस तस्वीर की काफी चर्चा हुई है। कुछ लोगों ने कॉमेंट किया कि कोरोना से बचने के लिए जो मास्क लगाया गया है, उसके पीछे दोनों नेताओं की एक-दूसरे के प्रति असली भावनाएं भी छिप गई हैं। किसी ने फोचो पर 'कैप्शन दिस ' चैलेंज में लिखा कि आखिरकार दोनों नेता राज्यसभा पहुंच गए। दरअसल, सिंधिया राज्यसभा की सीट को लेकर ही कांग्रेस में रहने के दौरान नाराज थे।

उपलब्धि

वारेन बफेट को पछाड़ा, आठ दिन के भीतर संपत्ति में हुआ 2.6 अरब डॉलर का इजाफा

दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति बने मुकेश अंबानी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अरबपति मुकेश अंबानी दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स की अरबपतियों की लिस्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

तेल से लेकर टेलीकॉम समूत रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने फोर्ब्स की इस सूची में पांचवा स्थान हासिल करने के लिए अमेरिकी निवेशक वॉरेन बफेट को पीछे छोड़ दिया है। फोर्ब्स के मुताबिक अरबपति मुकेश अंबानी की संपत्ति 75 बिलियन डॉलर है। पिछले महीने ही अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी डिजिटल सेवा शाखा, जियो में लगभग 33 फीसदी की हिस्सेदारी को फेसबुक और गूगल सहित प्रमुख निवेशकों को बेचा था, जिसके बाद अब रिलायंस इंडस्ट्रीज ऋण मुक्त हो गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 22 से अब तक कुल 14 डील्स की घोषणा की है, जिसमें जियों प्लेटफॉर्मों में 1.5 लाख करोड़ की हिस्सेदारी बेचे जाना भी शामिल है।

जियो प्लेटफॉर्म में नवीनतम निवेश गूगल का है, जिसने 7.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 33,737 करोड़ रुपए का व्यय किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जियो में निवेश के माध्यम से 2.12 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसकी जानकारी मुकेश अंबानी ने इस महीने की शुरुआत में कंपनी की एक मीटिंग में शेयरधारकों को दी थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बुधवार को व्यापार में 2,010 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गए, इसका मार्केट केपिटलाइजेशन 12.70 लाख करोड़ रुपए हो गया है और यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है।

सोना 50,920 रुपए के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर चांदी की लंबी छलांग, 60 हजार पार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 430 रुपए की लंबी छलांग के साथ 50920 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। इससे पूर्व के कारोबारी सत्र में सोना 50490 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 2550 रुपए के तेज उछाल के साथ 60400 रुपए प्रति किलोग्राम की ऊंचाई को छू गई। चांदी की वायदा कीमतों में बुधवार को भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। घरेलू वायदा बाजार में चांदी के भाव ने बुधवार को एक नया रिकॉर्ड बनाया है। चांदी की कीमतें बुधवार सुबह 60,000 रुपए प्रति किलो से ऊपर ट्रेंड करती दिखी हैं।

दखल

बेरोजगारी का इलाज जरूरी

शहरों की बेरोजगारी अब बड़ी चिंता समझी जानी चाहिए। जिस तरह से शहर कस्बों में काम-धंधे ठप पड़े हैं, अधखुले बाजारों में सन्नाटा है, खपत बढ़ने की कोई सूरत बनती नजर नहीं आ रही है, उससे तो लगता है कि मंदी का माहौल इतनी जल्दी नहीं बदल सकता। जब तक बाजार में मांग नहीं होगी, तब तक उत्पादन बढ़ने का सवाल ही नहीं है। और जब तक उत्पादन नहीं बढ़ता तब तक रोजगार के मौके बहाल नहीं हो सकते।

कोरोना से बचने के लिए किए गए लॉकडाउन ने कई तरह की समस्याएं खड़ी कर दीं। पिछले साढ़े तीन महीनों के दौरान पहले से धीमा पड़ा अर्थव्यवस्था का चक्का बिल्कुल थम ही गया। खासतौर पर बेरोजगारी ने बुरी तरह डरा दिया। सवाल यह है कि क्या वाकई हमारी अर्थव्यवस्था इतनी कमजोर या सुस्त चल रही थी कि तीन महीने का लॉकडाउन नहीं झेल पाई? गौर से देखें तो लॉकडाउन ने कुछ साल से बेरोजगारी पर पड़े पर्दे को उघाड़ा भर है। अर्थव्यवस्था और व्यापार प्रबंधन को समझने वाले विद्वान अगर ईमानदारी से बहस करेंगे, तो बहुत संभव है कि यही निष्कर्ष निकले कि कोरोना के पहले ही बेरोजगारी के हालात इतने नाजुक हो चुके थे कि वे पूर्णबंदी को बिल्कुल नहीं झेल पाए। क्या इस बात को भुलाया जा सकता है कि कोरोना के बहुत पहले से बेरोजगारी के 45 साल के रेकार्ड तोड़ आंकड़े पर विवाद हो रहा था। कोरोना से पहले ही कई तिमाहियों से जीडीपी घटती जा रही थी, औद्योगिक उत्पादों की मांग घट रही थी और इससे उत्पादन घट रहा था। नतीजतन रोजगार तेजी से घट चले थे। यानी यह मानना गलत होगा कि सिर्फ पूर्णबंदी ने ही रोजगार बर्बाद कर दिए।

लॉकडाउन के दौरान शहरों से अपने घरों को लौटता प्रवासी मजदूरों का सैलाब पूरी दुनिया ने देखा है। लेकिन यह मान कर चलना सही नहीं होगा कि वे कोरोना से घबरा कर शहरों से भागे। वे इसलिए भागे, क्योंकि जेब खाली हो चली थी। अभी तक शहरों से वापस लौटे प्रवासी मजदूरों का सही-सही आंकड़ा भले उपलब्ध न हो, लेकिन मोटा अंदाजा जरूर लगा है कि कम से कम दो करोड़ परिवार शहर छोड़ कर अपने गांव पहुंचे। यानी देश में बेरोजगारी का अंदाजा करना हो, तो सबसे बड़ा संकट गांवों पर ही है। हालांकि इस बीच इस तरह का माहौल बनाने की भी कोशिश हो रही है कि ये मजदूर फिर शहर लौट आएंगे। बेशक रोजगार की मजबूरी में ऐसा हो सकता है। लेकिन अभी से सोच लेना चाहिए कि बहुत ही बुरा अनुभव कर चुके प्रवासी मजदूर हालात को देखेंगे परखेंगे। खासतौर पर शहरों में उद्योगधंधे फिर शुरू होने की बात पुख्ता होने के बाद ही वे शहर आने का जोखिम उठाएंगे। यह संशय भी है कि शहरों में उनकी वापसी किस तादाद में होगी और इस प्रक्रिया में कितना वक्त लगेगा? यानी गांवों पर आया बेरोजगारी का संकट हाल-फिलहाल कम होता नजर नहीं आता।

अगला सवाल यह है कि क्या गांव अचानक बढ़े इतने बेरोजगारों का बोझ उठा सकते हैं? गांवों में छद्म बेरोजगारी पहले से इतनी ज्यादा है कि दो लोगों लायक खेती के काम में घर के चार लोग लगे हैं। कोई कितना भी कहते रहे कि गांव में खेती के अलावा नए काम-धंधे शुरू करवाए जाएंगे, लेकिन यह काम कागजों पर तो हो सकता है, जमीन पर होना मुश्किल है। बेशक नामुमकिन नहीं है, क्योंकि कई साल से विद्वान सुझाते आ रहे हैं कि गांवों में बहुत कुछ ऐसा उत्पादित हो सकता है जो शहरी भारत और विदेशों में बिक सके। लेकिन शर्त भी लगाई जाती रही है और वह यह कि गांव में संभावित उत्पाद बनाने के पहले यह जरूरी होगा कि शहरी भारत और विदेशों में उस माल की मांग पैदा की जाए। देश में बेरोजगारी के ऐसे भयावह संकट के समय विद्वानों के पुराने सुझावों पर गौर का समय आ गया है। भले इसके नतीजे फौरन न दिखाई दें, लेकिन कोई चारा बचा भी नहीं है। अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सरकार 20 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान भले कर चुकी हो, लेकिन अकेला बेरोजगारी का संकट ही इतना बड़ा है कि बीसियों मोर्चे संभालने के लिए दी गई यह रकम ऊंट के मुंह में जीरा है। यह अलग बात है कि प्रतीकात्मक रूप से कुछ भी कर देना मुश्किल नहीं होता, लेकिन बेरोजगारी का मामला हजार-पांच सौ गांवों में उत्पादक गतिविधि बढ़ाने का नहीं है, बल्कि मौजूदा संकट छह लाख से ज्यादा गांवों का है।

गांव के अलावा शहरी बेरोजगारी का भी अब छोटा संकट नहीं है। गांव के पास तो फिर भी अनाज, दाल, तेल, चीनी, कपास उत्पादन का मौका है और इसके सहारे वह अपना गुजारा करने में सक्षम है, साथ ही वह शहरों को भी जिंदा रख लेगा। लेकिन शहरों की बेरोजगारी अब बड़ी चिंता समझी जानी चाहिए। जिस तरह से शहर कस्बों में काम-धंधे ठप पड़े हैं, अधखुले बाजारों में सन्नाटा है, खपत बढ़ने की कोई सूरत बनती नजर नहीं आ रही है, उससे तो लगता है कि मंदी का माहौल इतनी जल्दी नहीं बदल सकता। जब तक बाजार में मांग नहीं होगी, तब तक उत्पादन बढ़ने का सवाल ही नहीं है। और जब तक उत्पादन नहीं बढ़ता तब तक रोजगार के मौके बहाल नहीं हो सकते। शहरी बेरोजगारी की बात करते समय यह भी देख लेना चाहिए कि पिछले दिनों पूर्णबंदी के दौरान शहरों में बारह करोड़ से ज्यादा नौकरियां खत्म होने का अंदाजा लगाया गया था। यह बाकायदा सीएमआइई का आकलन है। इन बारह करोड़ लोगों में छोटे-मोटे काम-धंधे करने वाले लोग, वेतनभोगी कर्मचारी और दिहाड़ी मजदूर शामिल हैं। गौरतलब यह भी है कि इन 12 करोड़ लोगों में तीन करोड़ युवा हैं। इस आकलन को विश्वसनीय मान लेने का एक आधार यह भी है कि मई और जून में बेरोजगारी दर सनसनीखेज तौर पर साढ़े तेईस फीसद तक पहुंच गई थी। पूर्णबंदी हटाने और अर्थव्यवस्था में लाखों करोड़ की रकम डालने के एलान के बावजूद जुलाई के शुरूआती हफ्ते में बेरोजगारी दर साढ़े नौ फीसद से कम नहीं हो पाई है। अगर बेरोजगारी का यह आलम हो तो हमें एकदम चेत जाना चाहिए।

बेरोजगारी को अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों के लिहाज से भी देखना जरूरी है। कुछ क्षेत्रों की हालत कोरोना से पहले ही नाजुक हो गई थी और कुछ क्षेत्र कोरोना के दौरान ज्यादा तबाह हुए। अलग-अलग क्षेत्रों को देखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि तभी पता चल पाएगा कि किस क्षेत्र में बेरोजगारी को अभी सबसे पहले संभालने की जरूरत है। कुटीर, छोटे और मझौले उद्योग (एमएसएमई) पहले ही खस्ताहाल थे। कोरोना के दौरान यह क्षेत्र पूरी तरह तबाह हो गया। इसी तरह निर्माण क्षेत्र में कोरोना के पहले सन्नाटा था, वह लॉकडाउन से लगभग बैठ गया। इस क्षेत्र में बेरोजगारी का अंदाजा शहरों से प्रवासी मजदूरों के अपने घर लौटने वाली भीड़ से लगाया जा सकता है। होटल-रेस्टोरेंट, यातायात, रेहड़ी-पटरी वालों का काम-धंधा बंद होने से कितने करोड़ लोग बेरोजगार हुए, इसका आकलन हुआ ही नहीं है। ये सब वे लोग हैं जिनकी माली हैसियत अपने बूते कोई नया काम शुरू करने की बिल्कुल नहीं है। इनकी अनुमानित संख्या इतनी ज्यादा दिखाई दे रही है कि छुटपुट कर्ज बांट कर उनका नया काम बैठाया नहीं जा सकता। जाहिर है, उनके रोजगार पुनर्वासन के लिए सरकार की तरफ से बड़े पैमाने पर और देशव्यापी योजना की दरकार है।

अब जब यह समझ में आ चुका है कि जान के साथ ही जहान भी जरूरी है तो अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए घोषित किए गए राहत पैकेज को फौरन खर्च करने की दरकार है। यह सरकारी राहत इस तरह देने की जरूरत है जो सबसे पहले बेरोजगारी का मोर्चा संभाल ले। भले किसी भी तरह पहुंचाया जाए, अगर बेरोजगारों की जेब तक पैसा पहुंचेगा तो वह घूम-फिर कर बाजार में ही आएगा और अर्थव्यवस्था का चक्का घुमाने का काम करेगा और कोरोना काल से बदहाल हुई अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने में मदद करेगा। अब तो जो गलतियां हुई हैं, उनसे सबक लेने की जरूरत है।

विचार

सोने की चमक में हो रही वृद्धि

जब दुनिया कोरोना महामारी के संकट से गुजर रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी का सामना कर रही है, ज्यादातर देशों की माली हालत लड़खड़ा गई है, इसके बावजूद सोने की चमक पर किसी तरह का असर नहीं पड़ा है, बल्कि यह और तेज होती जा रही है।

पिछले कुछ समय से सोने के दाम जिस तेजी से चढ़ रहे हैं, उसकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। सोना अब 52 हजार रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले यह इतनी ऊंचाई पर कभी नहीं गया। इसलिए महंगे होते सोने को देख कर एक बार तो मन में यह बात आना स्वाभाविक ही है कि काश सोने में पैसा लगाया होता तो भारी मुनाफा होता! पर हर निवेशक ऐसे निवेश का फैसला आसानी से नहीं कर पाता। पिछले साल अगस्त में सोना जब 40 हजार रुपए प्रति तोला पहुंचा था, तभी से संकेत मिल रहे थे कि आने वाले वक्त में यह पीली धातु आसमान छुएगी। अभी जो स्थिति बनी हुई है, उसमें अगर सोना नित नए रिकार्ड बनाता रहे, तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। सोने के रोजाना बढ़ते दाम से जहां निवेशकों की चांदी हो गई है, वहीं कारोबारियों और साधारण खरीदारों की चिंता बढ़ना लाजिमी है। देश ही नहीं, दुनियाभर के भर के सर्राफा बाजारों का अभी जो रुख बना हुआ है, उसे देखते हुए इसमें गिरावट के आसार नजर नहीं आते।

हालांकि अब त्योहारी और शादी-ब्याह का मौसम ज्यादा दूर नहीं है। ऐसे में सोने की मांग बढ़ेगी। लेकिन अगर सोना सस्ता नहीं होगा तो खरीदार सोने को हाथ लगाने में हिचकेंगे। जब दुनिया कोरोना महामारी के संकट से गुजर रही है, वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी का सामना कर रही है, ज्यादातर देशों की माली हालत लड़खड़ा गई है, इसके बावजूद सोने की चमक पर कोई असर नहीं पड़ा है, बल्कि यह तेज ही होती जा रही है। इसका बड़ा कारण यह है कि दुनियाभर में ब्याज दरें काफी नीचे आ चुकी हैं, जमीन-जायदाद कारोबार ठप पड़ चुका है, शेयर बाजारों की हालत इतनी खस्ता है कि निवेशक और हाथ जलाने का जोखिम नहीं ले सकते। इसलिए पारंपरिक निवेश सोने को सबसे बेहतर और सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। सोने को लेकर लोगों और निवेशकों के मन में भरोसा इसलिए भी मजबूत रहता है कि सोने ने अच्छा प्रतिफल दिया है।

पिछले करीब पांच दशकों में सोने में 14 फीसद सालाना की वृद्धि दर्ज की गई है और एक साल में तो इसमें 40 फीसद का इजाफा हुआ है। इतना ज्यादा मुनाफा और किसी निवेश में आसानी से नहीं मिल सकता। इसके अलावा सबसे बड़ा सुरक्षा भाव यह कि हमेशा पास रहता है, इसलिए इसमें कहीं कोई जोखिम नहीं है। हालांकि सोने में तेजी का रुख एक निश्चित अंतराल पर बनता रहा है। यह चक्र दो से पांच साल तक होता है और लंबा भी खिंच सकता है। अब से पहले सोने में तेजी का दौर 2001 में शुरू हुआ था और 2011 तक चला था। अब यह चक्र फिर से लौटा है। इसलिए माना जा रहा है कि आगामी दो-तीन साल इसमें गिरावट नहीं आने वाली। लेकिन जो लोग सोने में निवेश नहीं करते और सिर्फ जरूरत भर के लिए खरीदते हैं, उनके लिए मुश्किल यह है कि इतना महंगा सोना कहां से खरीदें क्योंकि अभी जेब साथ नहीं दे रही है।

पंचतत्व की संरक्षा से बचेगा पर्यावरण

पर्यावरण की चर्चा का संदर्भ वैज्ञानिक भौतिकशास्त्र तथा रसायन शास्त्र के मानकों के परिप्रेक्ष्य में करते हैं। भारतीय तत्व ज्ञान हजारों वर्षों से पंचतत्व को जीवन का मुख्य आधार मानते आए हैं। समस्त सृष्टि, प्राणीजगत तथा वनस्पति जगत पंचतत्व के मिश्रण व संयोग से बना है। पंचतत्वों में से सबसे महत्वपूर्ण तत्व आकाश तत्व है, व यही तत्व सभी निर्जीव और सजीव प्राणियों की उत्पति का मुख्य कारक है। पर्यावरण के संरक्षण हेतु निरन्तर मिशन मोड पर कार्य करने की आवश्यकता है। मात्र दिवस मना लेना, पौधे लगाना तथा कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। आज जो स्थिति हमारे सामने है, उसके निराकरण के लिए निरंतर वर्षों तक प्रयास करने होंगे। बिगड़ते पर्यावरण को सुधारने के लिए मात्र वैज्ञानिक पैमानों के आधार पर विचार करने के अतिरिक्त सर्वांग रूप से पंचतत्व संरक्षा को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनाने तथा चिंतन की आवश्यकता है।

पर्यावरण का क्षरण और प्रदूषण का बढ़ना इसलिए जारी है क्योंकि कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। कहने का आशय है कि आज हर देश, समाज प्रदूषण के प्रति गंभीर नहीं है। उसे लगता है कि यह समस्या दूसरे की ही वजह से बढ़ रही है। कार्बन उत्सर्जन के लिए दोषी देशों का रवैया भी कम चिंता पैदा नहीं कर रहा है क्योंकि आज विकसित देशों ने प्रदूषण बढ़ने की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर डाल रखी है।

यह तथ्य तो सबके सामने ही है कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध शोषण तथा जीवन को आरामदायक बनाने किए गए अन्वेषण पर्यावरण को निरंतर नुकसान पहुंचाते आए हैं। विकासशील देशों तथा महासागरों को डंपिंग यार्ड बना दिया गया है। पर्यावरण को बिगाड़कर, दूषित करने की कीमत पर विकास हो रहा है। काफी कुछ कहा गया है, लिखा गया है, बोला गया है, जो पाठकों के संज्ञान में पूर्व से ही है। अब प्रश्न यह है कि हम टिकाऊ उपाय जो पर्यावरण को रिस्टोर करें तथा आगे संधारित करें, वो क्या हो। हमें दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन करना आवश्यक है, और क्या हम पंचतत्व की संरक्षा की अवधारणा को समग्र रूप अंगीकृत कर सकते हैं। वर्तमान में मुख्यतः जल तथा वायु प्रदूषण पर चिंतनकर तथा योजनाएं बनाई जा रहीं हैं। जल प्रदूषण का मुख्य कारण, तीव्र गति से हो रहा शहरीकरण तथा द्रुतगति से बढ़ती हुई जनसंख्या है। नागरिकों को समुचित सुविधाएं देना तथा सुसंगत विकास भी आवश्यक है।

ठोस तथा द्रव अपशिष्ट के निस्सारण के प्रबंध हेतु ऐसी तकनीक ही व्यावहारिक है, जिससे कम से कम व्यय में डिस्पोजल कर प्रदूषण पर रोकथाम लगाई जा सके। अब नगर नियोजन की पुरानी अवधारणाओं में उन्नयन तथा सुधार की नितांत आवश्यकता है। प्लानिंग की मुख्य थीम, वेस्ट डिस्पोजल तथा पर्यावरण संरक्षण पर ही केन्द्रित होना चाहिए। नए वैज्ञानिक नवाचार तथा अन्वेषण को नगर योजना बनाते समय विचार कर प्रावधान करना समस्या निवारण की दिशा में लाभदायक होगा। यह सुविचारित प्रबंधन जलतत्व, पृथ्वी तत्वव वायु तत्व तीनों को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी प्रकार प्लास्टिक उत्पाद भी पर्यावरण संधारण में सिरदर्द बन गए हैं। इनकी उपयोगिता से इंकार नहीं किया जा सकता, परन्तु इनका निपटान चुनौती बन चुका है। नगरीय ठोस अपशिष्ट निपटान में प्लास्टि क उत्पादों का निस्तारण बहुत बड़ी समस्या बन गया है। यद्यपि कुछ नवाचार इस दिशा में हो रहे हैं,परन्तु वे अपर्याप्त हैं। बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक के उत्पादन की दिशा में शोध व नवाचार को प्रोत्साहन, व अंगीकृत किए जाने की आवश्कता है।

नागरिकों के सक्रिय सहयोग के बिना, इस दिशा में प्रभावी क्रियान्वयन कठिन है। इसी प्रकार वाहनों, परिवहन के साधन, क्षतिग्रस्त सड़कें, वातानुकूलन में उपयोग लाई जाने वाली गैस, खेतों में परोली जलाना, वृक्षों की लगातार कटाई इत्यादि महत्वपूर्ण कारक हैं,जो वायु प्रदूषण को अनियंत्रित रूप से बढ़ा रहे है। ओजोन लेयर के क्षतिग्रस्त होने से, सूर्य की यूवीकिरणों का विकिरण बढ़ता जा रहा है,जो त्वचा संबंधी विभिन्न रोगों की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। अर्थात अग्नितत्व को भी हमने बाधित कर दिया है। उक्त वस्तुस्थिति के प्रकाश में यह स्पष्ट है कि मानव जाति ने स्वयं ही जीवन के महत्वपूण घटक, पृथ्वी, जल, वायु, अग्नितत्व का संतुलन बिगाड़ दिया है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी विकार अब बहुतायत में प्रकट हो रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों के लिए इस ग्रह के सबसे बुद्धिमान प्राणी स्वयं ही उत्तरदायी हैं। बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण ध्यान व योग का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है, अर्थात जीवन की चेतना, आकाश तत्व को हम ग्रहण करने में असमर्थ हो गए हैं, तथा इतनी उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के होते हुए भी रोगों से संघर्ष करने की क्षमता में निरंतर कमी आती जा रही है। अपनी गलतियों से हम दिव्य चेतना का भी लाभ लेने में असमर्थ होते जा रहे हैं।

अब भी नहीं संभले तो आने वाली पीढ़ी की दुर्दशा का दायित्व इस पीढ़ी का ही होगा। पर्यावरण सुधार व संधारण, किसी एक व्यक्ति, समूह, संगठन, सरकार पर छोड़ने का समय अब जा चुका है। सामूहिक दायित्व के साथ सभी नागरिकों की सक्रिय भूमिका अब परम आवशयक है। इस सम्बन्ध में नगर नियोजन के प्रावधानों को सुधारने के साथ साथ, रहवासी समितियों को पर्यावरण के मानकों के पालन कराने में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही नवीन नवाचारों को प्रोत्साहन देने हेतु,औद्योगिक घरानों को सामने आकर उनके क्रियान्वयन का बीड़ा उठाना होगा और वैधानिक प्रावधानों को सुसंगत समावेश कराना अनिवार्य होगा। वृक्षारोपण के लिए कई अच्छे प्रयास किए जा रहे है, परंतु पौधारोपण के पश्चात उनकी सुरक्षा तथा विकास की दिशा में ठोस कार्य आवश्यक हैं। पर्यावरण के सुधार के लिए कई संस्थानों, संगठनों, शासकीय विभागों,तथा व्यक्तिगत स्तर पर प्रथक प्रथक कार्य व प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्त प्रयासों, कार्यों को समग्र रूप से शीर्ष स्तर पर निगरानी, अनुश्रवण, शोध, नवाचार पर्यवेक्षण आदि हेतु एक निकाय की आवश्यकता है तो अब पर्यावरण संरक्षण को अब मात्र शासन के सहारे छोड़ने की मानसिकता में परिवर्तन कर सामूहिक रूप से, मिशन मोड पर कार्ययोजना तैयार कर समय चक्र का कड़ाई से पालन करना और कराना अनिवार्य किया जाए।

सामाजिक तथा नागरिक संगठनों, उद्योगिक घरानों को यह बीड़ा उठाने के लिए तैयार और तत्पर रहने के लिए कमर कसनी होगी। पंचतत्व की संरक्षा ही जीवन चक्र का आगामी भविष्य निर्धारित करेगी, अन्यथा भावी पीढ़ी की दुर्दशा को रोकना संभव नहीं हो सकेगा। दरअसल, पर्यावरण का क्षरण और प्रदूषण का बढ़ना इसलिए जारी है क्योंकि कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। कहने का आशय है कि आज हर देश, समाज प्रदूषण के प्रति गंभीर नहीं है। उसे लगता है कि यह समस्या दूसरे की ही वजह से बढ़ रही है। कार्बन उत्सर्जन के लिए दोषी देशों का रवैया भी कम चिंता पैदा नहीं कर रहा है। आज विकसित देशों ने प्रदूषण बढ़ने की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर डाल रखी है। जलवायु को बचाने के लिए होने वाले सम्मेलनों में ऐसा कई बार दिख भी चुका है।

कुल मिलाकर पर्यावरण तभी बचेगा, जब सभी अपनी जिम्मेदारी समझेंगे और काम करेंगे। यह समस्या भले ही एक की वजह से बढ़ रही हो, मगर भुगतना सभी को पड़ रहा है। देश में ऐसे कई राज्य हैं, जहां प्रदूषण का ग्राफ काफी कम है, मगर आज पूरे देश की हालत क्या है, किसी से छिपा नहीं है। लिहाजा, अब पर्यावरण की चिंता करनी होगी और धरती को बचाए रखने का संकल्प लेना होगा।

ट्विटर

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी जा चुकी सरकार को बचाने का ठीकरा राज्यपाल पर फोड़ रहे हैं। जबकि उन्हें भी लोकतांत्रिक व्यवस्था पता है।

गुलाब कटारिया, भाजपा नेता

राजस्थान में राज्यपाल भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्हें कैबिनेट के फैसले का सम्मान करना चाहिए और 31 जुलाई को विधानसभा सत्र बुलाना चाहिए।

प्रताप सिंह, मंत्री राजस्थान

सत्यार्थ

घृणा सिर्फ पाप से करें

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की धर्मपत्नी शारदामणि मां काली की अनन्य भक्त थीं और वे काली मां का श्रृंगार बड़े प्रेमपूर्वक करती थीं। इस कार्य में अन्य महिलाएं भी उन की सहायता करतीं और प्रतिमा को अलंकृत करने में प्रसन्नता का बड़ा अनुभव करतीं। उन महिलाओं में एक महिला ऐसी भी थी, जो कुल और शील की दृष्टि से नीची समझी जाती थी। माता शारदामणि यह सब जानती थीं, पर उन्होंने कभी उस महिला को रोका नहीं, बल्कि अन्य संभ्रांत महिलाओं की तरह ही उसे

आदर दिया और अलंकार विधि में प्रेम-पूर्वक भाग लेने दिया। एक दिन एक कुलीन महिला ने माताजी से कहा- अमुक स्त्री उच्च कुल की नहीं है। वह नीच कुल की और गिरे चरित्र की है, उसे आप माता की प्रतिमा छूने न दिया करें, उसे तो मंदिर से बाहर ही रखें, तो अच्छा रहेगा। इस पर शारदामणि ने कहा-देखो पुत्री! गंगा में सभी स्नान करते हैं, उसमें नहाने वालों में मैले और मलिन भी होते हैं, पर इससे गंगा मां की न तो पवित्रता नष्ट होती है और न ही उनकी महिमा घटती है। जीवन में यदि कोई गिरता है, तो अपने ही दोषों के कारण गिरता है। स्पर्श किसी को कभी नहीं गिरा सकता। फिर पापनाशिनी कहलाने वाली काली माता की पुण्यप्रभा उस महिला के स्पर्श से कैसे मलिन हो जाएगी? शारदामणि के इस जवाब से उस महिला को अपनी भूल समझ आ गई। उसे यह अहसास हो गया कि हमें पाप से घृणा करनी चाहिए, पापी से नहीं। उसने उसी क्षण अपने विचार बदल लिए और शारदामणि माता से क्षमा मांगी। वाकई, हमें पापी से नहीं, पाप से ही घृणा करनी चाहिए। यदि हमने ऐसे विचार बना लिए, तो फिर पापियों को पाप करने से आसानी से रोका जा सकेगा।

संसद भवन में भी जलभराव

दिल्ली में मानसून की भारी बारिश के बाद संसद भवन के परिसर में जलभराव हो गया।

काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र-3 का सामान्य परिचालन स्थिति में आना परमाणु इतिहास में बड़ा दिन: अमित शाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

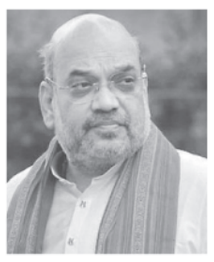

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि स्वदेश में ही डिजाइन किया गया 700 मेगावाट की क्षमता वाला गुजरात का काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र-3 का सामान्य परिचालन स्थिति में आना भारत के परमाणु इतिहास के लिए एक ''बड़ा दिन है। इस ऊर्जा संयंत्र का सामान्य परिचालन स्थिति में आना इस बात का संकेत है कि यह संयंत्र ऊर्जा उत्पादन के लिए अब तैयार है। शाह ने ट्वीट कर कहा, ''स्वदेश में ही डिजाइन किया गया 700 मेगावाट की क्षमता वाला गुजरात का काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र-3 का सामान्य परिचालन स्थिति में आना (क्रिटिकल होना) भारत के परमाणु इतिहास के लिए एक बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि 'न्यू इंडिया' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को सच करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

काकरापार संयंत्र की तीसरी इकाई चालू होने पर मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिणी गुजरात स्थित काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र की तीसरी इकाई के नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन के लिए तैयार होने पर परमाणु वैज्ञानिकों को बुधवार को बधाई दी। श्री मोदी ने ट्विटर पर कहा कि स्वदेशी परमाणु संयंत्र 'मेक इन इंडिया 'अभियान का एक शानदार उदाहरण है। गुजरात में 700 मेगावाट बिजली संयंत्र ने ये उपलब्धि हासिल की है। इससे यह इंगित होता है कि संयंत्र अब बिजली पैदा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र की तीसरी इकाई में नाभिकीय विखंडन के उत्पादन स्तर हासिल करने के लिए हमारे परमाणु वैज्ञानिकों को बधाई।

न्यूज

जीजेएम ने गृहमंत्री शाह के साथ की बैठक

दार्जिलिंग, (एजेंसी)। गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके नई दिल्ली कार्यालय पर बैठक कर उनसे दार्जिलिंग के मुद्दों के हल के लिए त्रिपक्षीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। जीजेएम नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह से केंद्र, प. बंगाल सरकार और जीजेएम के बीच 15 दिनों में त्रिपक्षीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। बैठक में नीमा तमांग और डॉ बीनू सुंदास और जीजेएम के अन्य नेता शामिल हुए। जीजेएम के संगठन सचिव नीमा तमांग ने कहा कि हमने गृह मंत्रालय (कार्यालय) को जीजेएम और राज्य को 23 जुलाई तक एक पत्र लिखने को कहा है।

कोलंबिया में सैन्य हेलिकॉप्टर दुर्घनाग्रस्त, नौ की मौत

बोगोटा, (एजेंसी)। कोलंबिया में एक सैन्य हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण नौ सैनिकों की मृत्यु हो गई तथा छह अन्य घायल हो गये। कोलंबिया की सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक इस दुर्घटना के शिकार हुए दो लोग अभी भी लापता हैं। सेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलिकॉप्टर यूएच-60 ब्लैक हॉक का मलबा दक्षिण-पूर्व कोलंबिया में इनिरिडा नदी के किनारे मिला है। सेना ने कहा, 'दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर में सेना के 17 सदस्य सवार थे।घायलों को उपचार के लिए नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रजनीकांत ने तमिलनाडु सरकार की प्रशंसा की

चेन्नई, (एजेंसी)। दक्षिण के सुप्रसिद्ध अभिनेता रजनीकांत ने बुधवार को हिंदू देवता भगवान मुर्गू की आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने वाले पेरियारवादी समूह और तमिल यूट्यूब चैनल 'करुप्पर कोट्टाम' के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने पर तमिलनाडु सरकार की प्रशंसा की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि समूह ने अपमानजनक बयान देने के अलावा और भगवान मुर्गू पर बने भक्ति गीत कंधा सश्टी कवसम को लेकर आपत्तिजनक बातें कही हैं। इससे लाखों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे! कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं। कोरोना को धोना हैं।

पूर्वी लद्दाख के फ्रंट और डेप्थ इलाकों में करीब 40 हजार सैनिक तैनात

एलएसी पर तनाव कम करने को अभी भी तैयार नहीं चीन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऐसा लगता है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने के मूड में नहीं है। कई दौर पर बातचीत के बावजूद वह तनाव को कम करने की बजाय उसे बढ़ाने पर तुला है। चीन की तरफ से अभी भी पूर्वी लद्दाख के फ्रंट और डेप्थ इलाकों में करीब 40 हजार सैनिक तैनात हैं।

समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पूर्वी लद्दाख में टकराव वाली जगहों से तनाव कम करने को लेकर वह प्रतिबद्धता का सम्मान नहीं कर रहे हैं। सरकार और सैन्य स्तरों पर कई दौर की बातचीत के दौरान शर्तों पर बनी सहमति के बावजूद वे पीछे नहीं हट रहे हैं। सूत्रों ने बताया, चीन ने तनाव कम करने का कोई संकेत नहीं दिया है और युद्ध सामग्री जैसे एयर डिफेंस सिस्टम, लंबी दूरी की तोपें, बख्तरबंद गाड़ियों के साथ अग्रिम इलाकों में करीब 40 हजार की भारी संख्या के साथ सैनिकों को तैनात किए हुआ है।

किसी भी विपरीत स्थिति को वायुसेना हर क्षण रहे तैयार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में भारत एवं चीनी सेनाओं के बीच तनाव एवं तैनाती कम करने के प्रयासों की बुधवार को सराहना की और साथ ही भारतीय वायुसेना को आगाह किया कि वह किसी भी विपरीत परिस्थिति के लिए हर क्षण तैयार रहे। रक्षा मंत्री यहां वायुसेना के कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वायुसेना के मुख्यालय वायु भवन में हुए इस सम्मेलन को एयर चीफ मार्शल आर के सिंह भदौरिया ने भी संबोधित किया। श्री सिंह ने वायुसेना की सभी कमानों के कमांडरों को संबोधित करते हुए पिछले कुछ माह में वायुसेना की संचालन क्षमता में वृद्धि के लिए सक्रियता से किए गए कार्य की सराहना की।

सावधान चीन! अमेरिकी नौसेना के साथ दोहरा अभ्यास भारत

चीन को चौतरफा घेरने की तैयारी में भारतीय सेना

चीन एक तरफ जहां अपने पड़ोसी देशों से सतत उकसावेपूर्ण कार्रवाई कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ उसको उसी के घर में घेरने की रणनीति बनाई जा रही। अमेरिका सहयोगी देश जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया के साथ एक तरफ जहां संयुक्त नौसैन्य अभ्यास कर रहा है तो वहीं बीजिंग को कड़ी चेतावनी भी दे रहा है। अंडमान की खाड़ी में दो दिनों के संयुक्त अभ्यास में अमेरिकी सुपरकैरियर यूएसएस निमित्ज के साथ भारत के चार नौसेना के जहाजों ने हिस्सा लिया। वहीं एक अन्य सुपरकैरियर यूएसएस रोनाल्ड रेगन ने चार हजार किमी दूर विवादित दक्षिण चीन सागर के सामने ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ संयुक्त अभ्यास किया।

राज्यसभा के 45 नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने बुधवार को उच्च सदन के नवनिर्वाचित 61 सदस्यों में से 45 को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कोविड-19 महामारी के कारण अंतर सत्र के दौरान शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा के चैम्बर में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति एवं उच्च सदन के सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि देश के विधि निर्माता के रूप में आपका चुनाव हुआ है। अपने दायित्व के निर्वहन में आप सुनिश्चित करें कि सदन में आपका आचरण नियमों के अनुकूल हो, स्थापित मानदंडों के अनुरूप हो और सदन के बाहर आपका आचरण नैतिकता के मानदंडों के अनुसार हो।

पीएम ने भाजपा के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों से मुलाकात: बुधवार को उच्च सदन (राज्यसभा) के नवनिर्वाचित 61 सदस्यों में से 45 को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कोविड-19 महामारी के कारण अंतर सत्र के दौरान शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा के चैंबर में आयोजित किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के नए चुने गए राज्यसभा सांसदों के साथ मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नवनिर्वाचित भाजपा के राज्यसभा सांसदों के साथ अच्छी और सकारात्मक बातचीत हुई। जनसेवा को लेकर उनके विचारों और जुनून को सुनना अद्भुत था। सांसदों का यह समूह विविधता से परिपूर्ण है और ये सांसद निश्चित रूप से संसदीय कार्यवाही में प्रभावी योगदान देंगे।

राज्यसभा के नए सदस्यों के लिए जल्द होगा प्रबोधन कार्यक्रम

राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सदन के नए सदस्यों को शुभकामनायें देते हुए बुधवार को कहा कि सदन में हाल में चुनकर आये सदस्यों को सदन की कार्यवाही और संसदीय नियमों की जानकारी देने के लिए जल्दी ही प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। श्री नायडू ने राज्यसभा कक्ष में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सदन के लिए कुल 61 सदस्य चुने गए हैं जिनमें 43 नए सदस्य हैं। इन सदस्यों को संसदीय प्रणाली की जानकारी तथा सदन के नियमों तथा परंपराओं की जानकारी के लिए जल्द एक प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों को सदन की कामकाज की प्रणाली से परिचित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नए चुने गए सदस्य संसदीय स्थायी समिति की बैठकों में हिस्सा लेना चाहते हैं। शपथ ग्रहण करने के बाद यह संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि एक दो दिन के भीतर सदस्यों को उनके पसंद के आधार पर समिति में नामांकन कर दिया जाएगा।

क्यूएनोन षडयंत्रकारी सिद्धांत पर कार्रवाई कर रहा है ट्विटर

हांगकांग, (एजेंसी)। ट्विटर ने कहा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के बीच लोकप्रिय धुर दक्षिणपंथी अमेरिकी षड्यंत्र के सिद्धांत, 'क्यूएनोन' से संबंधित खातों और सामग्री पर कार्रवाई करेगा।

इस कार्रवाई के तहत क्यूएनोन सामग्रियों से संबंधित अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही इससे जुड़े यूआरएल को ट्विटर पर साझा करने से रोका जाएगा। ट्विटर ने यह भी कहा कि वह क्यूएनोन से जुड़े ट्वीट का विशेष उल्लेख करने या इनकी अनुशंसा करने वाले ट्वीट को भी रोकेगा।

अदालत की अवमानना मामले में प्रशांत भूषण को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित अपमानजनक ट्वीट को लेकर बुधवार को जाने-माने वकील प्रशांत भूषण के खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने श्री भूषण के विवादित ट्वीट का स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ मंगलवार को कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही शुरू की थी। सुप्रीम कोर्ट ने श्री भूषण के साथ-साथ ट्विटर इंडिया को भी मामले में प्रतिवादी बनाया है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने इस मामले में श्री भूषण को नोटिस जारी करके पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अदालत की आपराधिक अवमानना की कार्रवाई की जाए। इस बीच ट्विटर ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा, ' हमें इस मामले से कोई लेना देना नहीं! आप आदेश दें, हम आपत्तिजनक ट्वीट हटाने को तैयार हैं!

कंपनी ने एक ट्वीट में कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है कि हम ऑफलाइन नुकसान पहुंचा सकने वाले व्यवहार पर सख्त कार्रवाई करेंगे। ट्विटर के मुताबिक जो अकाउंट कि हमारे बहु-खाता नीति का उल्लंघन करते हैं, व्यक्तिगत पीड़ितों को लेकर दुर्व्यवहार करते हैं या पिछली रोक से बचने की कोशिश करते हैं, उन पर हमेशा के लिए रोक लगा दी जाएगी।

क्यूएनोन षड्यंत्र का सिद्धांत एक आधारहीन धारणा पर केंद्रित है कि ट्रंप 'डीप स्टेट'' यानी अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में कुछ लोगों की मिलीभगत से एक छिपी हुई सरकार चला रहे दुश्मनों के खिलाफ एक गुप्त अभियान चला रहे हैं।

विकास गैंग एनकाउंटर की दो माह में न्यायिक जांच

नईदिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कानपुर में अपराधियों के हमले में आठ पुलिसकर्मियों की मौत और इसके बाद विकास दुबे और उसके पांच कथित गुर्गों की मुठभेड़ में मौत की घटनाओं की न्यायिक जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज डॉ बीएस चौहान की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति के गठन संबंधी मसौदे को बुधवार को मंजूरी दे दी।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने वीसी के माध्यम से सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश तीन सदस्यीय जांच समिति की अधिसूचना के मसौदे को मंजूरी दी और कहा कि इसे अधिसूचित कर दिया जाए। पीठ ने कहा कि इस जांच समिति को एक सप्ताह के भीतर अपना काम शुरू कर देना चाहिए और दो माह में इसे पूरी कर लेनी चाहिए।

जस्टिस चौहान की अध्यक्षता वाली इस जांच समिति में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज शशिकांत अग्रवाल और उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक के एल गुप्ता शामिल हैं। इससे पहले, राज्य सरकार ने कोर्ट को सूचित किया कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश डॉ. बलबीर सिंह चौहान कुख्यात अपराधी किवास दुबे की मुठभेड़ में हुई मौत के मामले की जांच के लिए गठित समिति का हिस्सा बनने पर सहमत हैं।

आखिर क्यों थी ऐसी जल्दी, 11.52 बजे एफआईआर, 12.27 पर दी दबिश

कानपुर के बिकरू कांड में पुलिस ने जैसी जल्दबाजी दिखाई, आमतौर पर ऐसा कम ही देखने को मिलता है। एफआईआर दर्ज करने के महज 35 मिनट बाद ही पुलिस दबिश के लिए बिकरू गांव रवाना हो गई। एक जुलाई को राहुल तिवारी को विकास दुबे और उसके गुर्गों ने पीटा था। तत्कालीन थानेदार विनय तिवारी को भी जलील किया था। दूसरे दिन राहुल तिवारी ने एसएसपी से शिकायत की। शिकायत को तुरंत संज्ञान में लिया गया। उसी रात 11.52 बजे राहुल की तहरीर पर विकास दुबे और उसके साथियों पर केस दर्ज किया गया। 35 मिनट बाद 12.27 बजे थाने से पुलिस विकास के घर पर दबिश देने को रवाना हुई।

देश में भय का माहौल पैदा किया जा रहा: ममता

कोलकाता (एजेंसी)। प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने उप्र के गाजियाबाद में बदमाशों की गोली से घायल पत्रकार की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि देश में भय का माहौल पैदा किया जा रहा है। पत्रकार जोशी को सोमवार को गाजियाबाद के विजयनगर क्षेत्र में बदमाशों ने गोली मार दी थी और बुधवार तड़के उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। सुश्री बनर्जी ने श्री जोशी की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए बुधवार को ट्वीट किया, 'निर्भीक पत्रकार विक्रम जोशी की मृत्यु पर मेरी उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। उत्तर प्रदेश में भांजी के साथ छेड़छाड़ की प्राथमिकी दर्ज कराने पर उन्हें गोली मार दी गई। देश में भय का माहौल उत्पन्न किया जा रहा है। आवाज को कुचला जा रहा है। मीडिया को भी नहीं बख्शा जा रहा है। आश्चर्यजनक।

अमेरिका ने चीन से भारत के साथ तनाव कम करने की अपील संबंधी प्रस्ताव किया पारित

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक द्विदलीय प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें चीन से अपील की गई है कि वह नियंत्रण रेखा के पास भारत के साथ शांतिपूर्ण तरीके से तनाव कम करे। इस प्रस्ताव को मंगलवार को पारित किए जाने से पहले प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) में सर्वसम्मति से संशोधन पारित किया था, जिसमें गलवान घाटी में भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर जैसे विवादित क्षेत्रों में उसके बढ़ते क्षेत्रीय दबावों की निंदा की गई है। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में भारतीय अमेरिकी सांसद रो खन्ना, सांसदों फ्रैंक पैलोने, टो सुओजी, टेड योहो, जॉर्ज होल्डिंग, शीला जैक्सन-ली, हैली स्टीवन्स और स्टीव शैबेट ने यह प्रस्ताव पेश किया था। इसे वित्त वर्ष 2021 के लिए एनडीएए के साथ पारित किया गया। प्रस्ताव में भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की आक्रामकता की निंदा की गई है। कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा कि बुधवार को पारित किए गए विधेयक से सदन ने यह स्पष्ट द्विदलीय संदेश दिया है कि चीन सरकार को भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांतिपूर्ण तरीके से तनाव कम करना चाहिए।

चीन की आक्रामकता की निंदा की गई

कोरोना अलर्ट अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, कोविड-19 वैक्सीन विकसित करने के मामले में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं

वैक्सीन पर चीन के साथ काम करने को तैयार: ट्रंप

वाशिंगटन ■ राज न्यूज नेटवर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यदि कोरोना वायरस (कोविड-19) वैक्सीन पहले लाने को लेकर उनका प्रशासन चीन सहित किसी भी देश के साथ काम करने के लिए तैयार है।

कोविड-19 वैक्सीन को पहले लाने के लिए चीन के साथ काम करने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में श्री ट्रंप ने कहा कि 'हम अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए किसी भी देश के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा कि हम वैक्सीन विकसित करने तथा चिकित्सकीय विकास के मामले में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन के उम्मीद से बहुत पहले आने की संभावना है और यह लोगों को तुरंत मुहैया हो जाएगी, क्योंकि अमेरिकी सेना इसे वितरित करने में सहायता करेगी।

मैं औसतन दो से तीन बार कोरोना वायरस की जांच करता हूं: ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह दिन में कम से कम दो या तीन बार कोरोना वायरस महामारी की जांच करते हैं। श्री ट्रम्प ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा,' मैं संभवतः दिन में दो या तीन बार कोरोना की जांच करता हूं। उन्होंने कहा कि वह हमेशा मास्क लेकर चलते हैं और जहां पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखना संभव नहीं होता है, वहां पर इसका इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने लोगों से आवश्य होने पर फेस मास्क का इस्तेमाल करने तथा वायरस को फैलने से रोकने के लिए अन्य एहतियाती कदम उठाने की भी अपील की। इसके पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायले मैकनीने ने संवादादातओं को संबोधित करते हुए कहा था कि श्री ट्रम्प एक दिन में कई बार कोरोना वायरस की जांच करते हैं।

कोरोना में एचसीक्यू व क्लोरोक्वीन असरदार नहीं: जर्मनी का दावा

बर्लिन, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के इलाज में अब तक अहम मानी जा रही दवा क्लोरोक्वीन और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को लेकर नई जानकारी सामने आई है। 'नेचर' नामक पत्रिका में दो अध्ययन रिपोर्ट का हवाला देते हुए लेख छपा है। इन अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने में ये दोनों दवाइयां अकेले या एंटीबायोटिक अजिथ्रोमाइसीन के साथ देने पर भी कोई एंटीवायरल प्रभाव नहीं छोड़ सकी हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) और क्लोरोक्वीन का इस्तेमाल आमतौर पर मलेरिया के इलाज के लिए किया जाता है।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1.51 करोड़ के पार

बीजिंग/जिनेवा (एजेंसी)। कोरोना का कहर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है और दुनियाभर में इस वायरस से अब तक 1.51 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं तथा 6,21,700 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में आठवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1,51,74,672 हो गई है जबकि अब तक इस महामारी के कारण 6,21,700 लोगों ने जान गंवाई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 40,45,559 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,45,251 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 21,67,988 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 81,487 लोगों की मौत हो चुकी है।

तीन तलाक में 82 फीसदी की हुई कमी: नकवी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तीन तलाक के खिलाफ बनाए गए कानून को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि एक साल में तीन तलाक के मामलों में 82 प्रतिशत की गिरावट मुस्लिम महिलाओं के लिए यह दिन संवैधानिक-मौलिक-लोकतांत्रिक एवं समानता के अधिकारों का दिन बन गया।

आज एक वर्ष हो गया है, इस दौरान 'तीन तलाक' या 'तिलाके बिद्दत' की घटनाओं में 82 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है,जहाँ ऐसी घटना हुई भी है वहां कानून ने अपना काम किया है। मोदी की सरकार हर वर्ग के सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार को समर्पित है। पिछले छह वर्षों में मोदी सरकार के समावेशी विकास-सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण के प्रयासों का लाभ समाज के सभी वर्गों के साथ मुस्लिम महिलाओं को भी भरपूर हुआ है। एक अगस्त, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की कुप्रथा,कुरीति से मुक्त करने का दिन, भारत के इतिहास में 'मुस्लिम महिला अधिकार दिवस' के रूप में दर्ज हो चुका है।

सांसद चौधरी संतोख सिंह के घर के आगे किसान मजदूर संघर्ष समिति पंजाब द्वारा किया गया धरना प्रदर्शन

जालंधर ब्रीज ब्यूरो

आज किसान मजदूर समिति पंजाब सुल्तानपुर लोधी लोहियां खास जोन शाहकोट की तरफ से बड़ी गिनती में किसान मजदूरों और औरतों को साथ लेकर सांसद चौधरी संतोख सिंह के घर के आगे धरना पर्दशन किया गया। इस मौके पर उन्होंने ने कहा की मोदी सरकार की तरफ से जो तीनों आर्डिनेंस और बिजली बिल 2020 में बदलाव किया गया है वह उन्हें कभी मंजूर नहीं होगा। इस प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे प्रधान सतनाम सिंह द्वारा कहा गया की किसान मजदूर संघर्ष समिति पंजाब के सारे कार्यकर्ता को साथ लेकर कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों का घेराव करने का फैसला लिया है। आज उन्होंनें सबसे पहले जालंधर से सांसद संतोख चौधरी का घेराव किया गया साथ में केंद्र और पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गयी। प्रदर्शन कर रहे किसान मजदूर संघर्ष समिति को मौके पर पहुंचे डी.सी.पी. बलकार सिंह द्वारा आश्वासन दिया गया की उनकी मांगे डिप्टी कमिश्नर और सांसद के आगे रखी जाएंगी। इस धरने में सतनाम सिंह, स्वर्ण सिंह ,हाकम सिंह ,सुखप्रीत सिंह, तरसेम सिंह व अन्य शामिल थे।

पुलिस डिवीजन नंबर. 2 की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पुरानी जेल के पास खड़ी इनोवा कार से की अवैध शराब बरामद

जालंधर ब्रीज ब्यूरो

ए.एस.आई गुरचरण सिंह और ए.एस.आई हरजिंदर सिंह ने पुरानी जेल नजदीक पटेल चौक पर नाका लगाया और उन्होंने गुप्त सूचना के आधार पर इक वाइट इनोवा कार में से अवैध शराब पकड़ी जब उन्होंने गाड़ी चेक की तो उसमें कुल 10 पेटियां वहां पड़ी मिली जिसमें से 3 पेटियां रॉयल चैलेंज, 3 पेटियां मास्टर मोमेंट, 3 पेटियां ब्लैक हॉर्स और 1 पेटी मक्डॉवेल्ल मौके पर बरामद हुई ।

गाडी का ड्राइवर जो की मौके से फरार हो गया थाना नंबर 2 की पुलिस ने अवैध शराब के साथ गाडी को कब्जे में ले लिया और 20.07.2020 को मुकदमा नंबर 94 अधीन एक्साइज एक्ट पुलिस डिवीज़न नंबर 2 में दर्ज किया गया । पुलिस द्वारा 21.07.2020 को आरोपी मोहित पिता का नाम चमन लाल वासी उड़मुड़ थाना टांडा जिला होशियारपुर को गिरफ्तार किया गया है।

सी.आई.ए. स्टाफ जालंधर-1 ने 180 ग्राम अफीम और 10 ग्राम हैरोइन की बरामद

जालंधर ब्रीज ब्यूरो

सी.आई.ए स्टाफ जालंधर 1 की तरफ से पेट्रोलिंग दौरान जब वह गली नंबर 2 हरदयाल नगर पहुंचे तो वहां इक शख्स जो पैदल आ रहा था। मौके पर उसकी चेकिंग करते समय उस से इक छोटा पर्स जिसमे से 180 ग्राम अफीम 10 ग्राम हैरोइन साथ में एक कंप्यूटर कंडा और कुछ मोमी लिफाफे बरामद हुए उसकी पहचान विजय कुमार उर्फ लड्डू पिता का नाम जगदेव सिंह मकान नंबर 50 गली नंबर 2 हरदयाल नगर पुलिस डिवीज़न नंबर 8 आधीन जालंधर का रहने वाला है । इसकी उम्र तकरीबन 43 साल है और इसने दसवीं तक पढ़ाई करने के बाद आपने पिता के साथ प्रिंटिंग प्रेस में करीब 3 से 4 साल तक काम किया है । पिता की मौत के बाद यह गलत संगत में पड़कर नशे करने लग पड़ा यह पहले भी नशे बचने के लिए जेल में रह चुका है और कुछ दिनों पहले ही जमानत पर रिहा हुआ है। इस पर कई पुलिस डिवीज़न में अलग-अलग धाराओं में 12 मामले दर्ज है। पुलिस आज इसका कोर्ट में रिमांड हासिल करेगी और इसको जो पहले एन.डी.पी. सी एक्ट केस में जमानत मिली है उसे भी कैंसिल करवाएगी ।

डिप्टी कमिश्नर दफ्तर के बाहर कैप्टन सरकार के खिलाफ किया गया प्रदर्शन

जालंधर ब्रीज ब्यूरो

यू.टी. मुलाजिम और पेंशनर साँझा फ्रंट पंजाब मुलाजमों और पेंशनरों ने काले झंडे और काले मास्क लगा कर कैप्टन सरकार के किये हुए झूठे वादों का घड़ा फोड़ कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कैप्टन सरकार से सवाल किया अगर अपनी मांगो को लेकर और जो वादे पंजाब सरकार द्वारा किये गए है उसका विरोध करना गैर कानूनी है तो जब एक बस में 52 लोग एक साथ सफर करते है तो वो पंजाब सरकार द्वारा बनाई गई निति जिसमें 5 से अधिक लोग इकट्ठे नहीं हो सकते कैसे जाए है ।

कैप्टन सरकार द्वारा जो वादे आम जनता ओर सरकारी मुलाजमों और पेंशनरों को किए गए थे उन्होंने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया पंजाब सरकार द्वारा जल विभाग महकमे में 8657 पोस्टों को खत्म कर दिया है जिसमें 1843 मुलाजिम अभी सेवा कर रहे है उनका रोजगार भी किसी वक्त छिना जा सकता है । इस तरह रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की पंजाब में नए रखे जाने वाले मुलाजमों के वेतन को लेकर पंजाब सरकार जो केंद्र द्वारा दिए गए। पे-स्केल लागू करने जा रही है वह उन्हें कभी मंजूर नहीं है। उन्होंने कागज़ पाड़ कर अपना रोष प्रदर्शन किया। इसके साथ उन्होंने ने कहा मिड-डे-मिल के वर्करो को 3000/ रूपये के हिसाब से मई ओर जून का वेतन तुरंत दिया जाए।

इस रोष पर्दर्शन की अगुवाई गोबिंद कुमार,मुलख राज,हरमनजोत सिंह अहलुवालिआ,सुखविंदर सिंह,बलवीर भगत,राजीव कुमार, इन्द्रजीत,जागीर सिंह,खेमराज सिंह और अन्य साथी मौजूद थे।

सी.आई.ए स्टाफ जालंधर – 1 ने 22 ग्राम हैरोइन के साथ दो लोगो को गिरफ्तार किया

जालंधर ब्रीज ब्यूरो

सी.आई.ए स्टाफ जालंधर 1 की तरफ से पेट्रोलिंग दौरान मोहल्ला आबादपुरा नज़दीक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से 22 ग्राम हैरोइन के साथ दो लोगो को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान साजन पिता का नाम कुलदीप कुमार मकान नंबर 692 लिंक रोड बाल्मीक नगर आबादपुरा पुलिस जालंधर का रहने वाला है ।

इसकी उम्र तकरीबन 29 साल है और इसने आठवीं पढ़ाई करने के बाद की है और बाद में ऋतु वियर मॉल में काम करने के बाद और बाद में बस स्टैंड के पास चाये वाली दुकान पर काम करने लग पड़ा और बाद में गलत संगत में पड़ गया ।

दूसरा दोषी जिसकी पहचान ओम प्रकाश उर्फ रांझा पिता का नाम संतोख सिंह निवासी ओजला फाटक मांगी कॉलोनी कपूरथला जो की मौजूदा बाबा कहान दस नगर का रहने वाला है।

इसकी उम्र तकरीबन 23 साल की उम्र है और इसने वेल्डिंग का डिप्लोमा किया हुआ है और फैक्ट्री में काम करता है बाद में अपने साले के दोस्तों के साथ नशा करने लग पड़ा।

इन पर मुकदमा नंबर 219 एन डी पी स एक्ट 21/61/85 मिति 24-07-2020 को पुलिस डिवीज़न नंबर 6 में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इनका कोर्ट में रिमांड हासिल करेगी और इनको जो पहले एन डी पी स एक्ट केस में जमानत मिली है उसे भी कैंसिल करवाएगी ।

पंजाब में घरेलू एकांतवास और रैस्टोरैंट /खाने पीने वाले स्थानों पर सामाजिक दूरी का उल्लंघन करने वाले को 5000 रुपए जुर्माना होगा

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने भीड़ों में सामाजिक दूरी की बन्दिशों का उल्लंघन करने वालों को भी 10000 रुपए जुर्माना करने का ऐलान किया

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की तरफ से गुरूवार को ऐलाने गए नये दिशा निर्देशों के अनुसार राज्य में घरेलू एकांतवास का उल्लंघन करने वाले कोविड मरीज़ों को 5000 रुपए जुर्माना किया जायेगा। राज्य में इस समय पर 951 मरीज़ घरेलू एकांतवास में हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में महामारी के फैलाव को रोकने के लिए बन्दिशों की सख्ती से पालना को यकीनी बनाने के लिए रैस्टोरैंट और खाने पीने वाले व्यापारिक स्थानों पर सामाजिक दूरी का उल्लंघन करने वालों के लिए भी 5000 रुपए जुर्माना करने का ऐलान किया।

राज्य में कोविड की स्थिति और इससे निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बुलायी वीडियो कान्फ्रेंस मीटिंग में मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भीड़ों के दौरान सामाजिक दूरी का उल्लंघन करने वाले और तयशुदा संख्या से अधिक जलसा करने वालों पर 10000 रुपए जुर्माना किया जायेगा।

आज ऐलाने गए जुर्माने /दंड पहले ऐलाने गए जुर्मानों से अलग होंगे। मई महीने में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क न पहनने पर 500 रुपए जुर्माना, घरेलू एकांतवास की हिदायतों के उल्लंघन पर 200 रुपए और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर 500 रुपए जुर्माना लाने का ऐलान किया गया था।

मौजूदा दिशा -निर्देशों के मुताबिक दुकानों /व्यापारिक स्थानों को सामाजिक दूरी का उल्लंघन करने पर 2000 रुपए जुर्माना अदा करना पड़ेगा जबकि बसों और कारों में ऐसे उल्लंघन करने पर क्रमवार 3000 रुपए और 2000 रुपए जुर्माना भरना पड़ेगा और आटो -रिक्शा /दो-पहिया वाहनों के सम्बन्ध में 500 रुपए जुर्माना देना होगा।

राज्य भर में उल्लंघन के लगातार सामने आ रहे मामलों के दौरान और जुर्मानों की व्यवस्था की गई है और डी.जी.पी. दिनकर गुप्ता के मुताबिक मास्क न पहनने के लिए रोज़मर्रा के लगभग 5000 चालान काटे जा रहे हैं। कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने राज्य सरकार की तरफ से जारी दिशा - निर्देशों के अनुसार मास्क पहनना

धार्मिक संस्थाओं के मुखियों और प्रबंधकों को धार्मिक स्थानों पर सभी कोविड सुरक्षा नियमों की पालना यकीनी बनाने की अपील की

लाज़िमी करने के अमल को सख्ती से यकीनी बनाने के लिए कड़े कदम उठाने के हुक्म दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं के मुखियों और प्रबंधकों को रा%य में धार्मिक स्थानों पर मास्क पहनने समेत कोविड सम्बन्धी और सुरक्षा उपायों और सामाजिक दूरी की बन्दिशों के पालन को यकीनी बनाने की अपील की। उन्होंने धार्मिक शख्सियतों को गुरुद्वारों, मंदिरों और अन्य स्थानों के द्वारा आवाजें देकर इस सम्बन्ध में लोगों को जागरूक करने की भी अपील की।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने किसानों यूनियनों को एक बार फिर केंद्र सरकार के किसान विरोधी आर्डीनैंसों के विरुद्ध सड़कों पर रोष-प्रदर्शन न करने की अपील को दोहराते हुये कोविड के फैलाव को रोकने के लिए ऐसे आंदोलन मुलतवी करने के लिए कहा।

एक अन्य प्रयास करते हुये मुख्यमंत्री ने बस अड्डों आदि जैसी सांझी स्थानों पर मास्क मुहैया करवाने वाली मशीनें लगाने के हुक्म दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव विनी महाजन और स्वास्थ्य माहिरों को फरीदकोट और अमृतसर के सरकारी मैडीकल कॉलेजों में भी प्लाज्मा बैंका स्थापित करने के लिए रूप-रेखा बनाने के निर्देश दिए जबकि पटियाला में राज्य के पहले प्लाज्मा बैंक का उद्घाटन 21 जुलाई को किया जा चुका है। इसके उद्घाटन के पहले दिन ही चार दानी सज्जनों ने बैंक को अपना प्लाज्मा दिया।

उन्होंने कोविड के इलाज उपरांत स्वस्थ हो चुके व्यक्तियों को इस बीमारी से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए अपना प्लाज्मा देने के लिए अपील की।

मुख्य सचिव द्वारा मीटिंग के दौरान बताया गया कि आई.ए.एस और पी.सी.एस अफसर जो स्वस्थ हो चुके हैं, को भी अपना प्लाज्मा देकर दूसरे का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पंजाब पुलिस प्रमुख दिनकर गुप्ता ने कहा कि पंजाब होम गार्ड के जवान समेत तीन पुलिस कर्मियों द्वारा पटियाला और डी.एम.सी में अपना प्लाज्मा दिया गया है।

राज्य में कोविड के बढ़ रहे मामलों जो 11301 तक पहुँच गए हैं और 269 हुई मौतों संबंधी चिंता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री ने मुकम्मल सावधानी के लिए न्यौता देते हुए डी.जी.पी को नियमों को सख्ती के साथ लागू करने को यकीनी बनाए जाने के लिए निर्देश दिए गए। बठिंडा जिले के नथाना पुलिस थाने के 28कर्मियों के करोना पॉजिटिव पाए जाने का जिक्र करते हुउ उन्होंने बुखार या फ्लू जैसे लक्षणों वाले मुलाजिमों को कार्यालय न आने की सलाह दी और अपने टैस्ट जल्द से जल्द करवाने के लिए कहा। पंजाब पुलिस प्रमुख ने कहा कि सभी 28पुलिस कर्मी कुछ दिन पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए एक सहायक सब इंस्पेक्टर के प्राथमिक संपर्क वाले थे। राज्य पुलिस प्रमुख ने मीटिंग के दौरान आगे बताया कि ऐसा ही एक मामला लहरा सब डिवीजन का सामने आया है जहाँ लहरा पुलिस थाने, दो पुलिस चौकियों और डी.एस.पी. ऑफिस के इसी हफ्ते दो तीन दिन पहले कुल 33 पुलिस कर्मी (कुल स्टाफ का 40 फीसदी) कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के खड़कां कैंपस, जहाँ कोरोना बड़े पैमाने पर फैला, में 723 नमूनों की अब तक प्राप्त टैस्ट रिपोर्टों में से 126केस सामने आए हैं। 133 मामलों के नतीजे अभी आने बाकी हैं जबकि 127 के सैंपल अभी लिए जाने हैं। सभी पॉजिटिव केस बिना लक्षणों वाले थे और इलाज के लिए बी.एस.एफ हैडक्वार्टर जालंधर में कोविड उपचार केंद्र में भेज दिए गए हैं। जालंधर और लुधियाना में पॉजिटिव मामलों की दर ज्यादा होने का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री द्वारा स्वास्थ्य विभाग को इन जिलों में महामारी को और फैलने से रोकने के लिए निगरानी और टेस्टिंग बढ़ाने के लिए निर्देश दिए गए। डॉ. के.के. तलवार ने मीटिंग के दौरान बताया कि मौजूदा समय में राज्य में जालंधर में सबसे ज्यादा 18माईक्रो सीमित जोन हैं।

सिंगला ने अम्बैसडर ऑफ होप के विजेताओं का किया ऐलान

विजेताओं की घोषणा से 'अम्बैसडर ऑफ होप' मुहिम सोशल मीडिया पर छाई

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला की तरफ से पठानकोट जिले से सम्बन्धित विजेताओं के नाम सम्बन्धी जानकारी देने के बाद गुरूवार को स्कूली विद्यार्थियों के अधिक से अधिक सम्मिलन करने का विश्व रिकार्ड बनाने वाला ऑनलाइन मुकाबला 'अम्बैसडर ऑफ होप' सोशल मीडिया पर छा गया है।

क्राईस्ट द किंग कान्वेंट स्कूल के 5वीं कक्षा के विद्यार्थी आरित कुमार ने पहला, सेंट जोसफ कान्वेंट स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा यति ने दूसरा और सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल बद्धनी की 11वीं कक्षा की विद्यार्थी भारती ने तीसरा इनाम हासिल किया।

मंत्री ने कहा, 'हम बाकी रहते 21 ज़िलों के विजेताओं का क्रमवार ढंग से ऐलान करेंगे क्योंकि अगले तीन हफ्तों में एक जिले के चोटी के 3 विद्यार्थियों की सूची हर दिन सांझी की जायेगी। उन्होंने पहले ही पिछले हफ्ते एक हज़ार इनाम विजेताओं की सूची सांझी की थी।

मैगा आनलाइन मुकाबला जिसने पहले ही एक विश्व रिकार्ड बनाया है, सोशल मीडिया पर छाया रहा क्योंकि हज़ारों लोगों ने टिवट्र और अन्य सोशल मीडिया साईटों के द्वारा मुकाबले संबंधी अपने तजुर्बे सांझे किये। कई विद्यार्थियों ने मंत्री के प्रति धन्यवाद प्रकटाते हुये अपनी भागीदारी के सर्टिफिकेट सांझे किये। अपनी किस्म का यह पहला मुकाबला 'अम्बैसडर ऑफ होप' ने सिर्फ आठ दिनों में स्कूली विद्यार्थियों के 1.05 लाख से अधिक ऐंट्रियां प्राप्त करके विश्व रिकार्ड बनाया। मंत्री ने विजेताओं के डाक पते पर भेजे एपल आईपैड, लैपटाप और टेबलेट को पैक करने वाली एक वीडियो सांझी की है। वीडियो ने सोशल मीडिया पर धूम मचाई थी क्योंकि लाखों विद्यार्थियों ने इसको फेसबुक और टिवट्टर पर देखा और साझा किया था। श्री सिंगला अगले हफ्ते वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा विजेता को मिलने और उनका सम्मान करेंगे और पंजाब की बेहतरी के लिए उनके विचार सुनेंगे। कोविड महामारी के दौरान स्कूली विद्यार्थियों और उनके परिवारों के द्वारा राज्य में सकारात्मकता लाने में अम्बैसडर ऑफ होप ने बड़ी भूमिका निभाई।

66 सरकारी मिडल, हाई और सीनियर सेकंडरी स्कूलों को सबसे बढ़िया स्कूल होने के लिए अवार्ड

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला के नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने के मद्देनज़र स्कूलों में मुकाबलेबाजी की भावना पैदा करने के लिए राज्य भर के 66सरकारी स्कूलों को सबसे बढ़िया स्कूल होने के लिए अवार्ड दिए गए हैं।

इसकी जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि राज्य के 22 जिलों की तरफ से हरेक जिले के तीन स्कूलों को बढ़िया स्कूल होने के लिए अवार्ड दिया गया है। इनमें से हरेक ज़िले का एक मिडल, एक हाई और एक सीनियर सेकंडरी स्कूल शामिल है। इस अवार्ड में हरेक मिडल स्कूल को 90,909 रुपए, हाई स्कूल को 1,36,363 रुपए और सीनियर सेकंडरी स्कूल को 2,27,272 रुपए की राशि दी गई है।

इन स्कूलों में संगरूर ज़िले का सरकारी मिडल स्कूल (जीएमएस) रत्तोंके, सरकारी हाई स्कूल (जीएचएस) चोटियां, सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल (जीएसएसएस) खनौरी (लड़कियाँ), लुधियाना के जीएमएस कुलार, जीएचएस बाबरपुर, जीएसएसएस करमसर, एसबीएस नगर के जीएमएस भंगल खुर्द अमरगढ़, जीएचएस खानखाना (लड़कियां), जीएसएसएस भारता कलाँ, एसएएस नगर के जीएमएस चाचू माजरा, जीएचएस जैयंती माजरी, जीएसएसएस घड़ूंआं लड़कियाँ, फाजिल्का के जीएमएस ढाणी करनैल सिंह एसएसए, जीएचएस हीरां वाली (आरएमएसए), जीएसएसएस कंधवाला अमरकोट, फरीदकोट के जीएमएस वीरें वाला खुर्द, जीएचएस माधक, जीएसएसएस पखी कलाँ, पटियाला के जीएमएस चोहट, जीएचएस भानड़ा अपग्रेड (आरएमएसए), जीएसएसएस जी माणकपुर, रूपनगर के जीएमएस भानूपली, जीएचएस भाऊवाल, जीएसएसएस धनगराली, जालंधर के जीएमएस बडाला, जीएचएस किशनपुर, जीएसएसएस नेहरू गार्डन लड़कियाँ मोगा के जीएमएस कोकरी वेहनीवाल, जीएचएस पत्तों हीरा सिंह लड़कियाँ, जीएसएसएस घल्ल कलाँ शामिल हैं।

इसी तरह अन्य स्कूल अमृतसर का जी.एम.एस गुमटाला, जी.एच.एस. नंगल महिता लड़कियाँ, जी. एस. एस.एस मजीठा, कपूरथला के जी. एम.एस डोमेली, जी.एच.एस. दियालपुर लड़कियाँ, जी. एस. एस.एस खीरांवाली, फतेहगढ़ साहिब के जी.एम.एस. चौरवाला एसएसए, जीएचएस अलीपुर सौधीयां, जीएसएसएस मुसतफाबाद, बठिंडा के जीएमएस गोलेवाला, जीएचएस दिख, जीएसएसएस मलूका लड़कियाँ, मानसा के जीएमएस उलक, जीएचएस बहिनीवाल, जीएसएसएस करंडी, फ़िरोज़पुर के जीएमएस चब्बा, जीएचएस धीरा घर एसएसए रमसा, जीएसएसएस खाई फेमे की, होशियारपुर के जीएमएस दीपुर, जीएचएस राजपुर गहोत, जीएसएसएस भूंगा, मुक्तसर के जीएचएस चक्क गंढा सिंह वाला, जी.एच.एस. सुरेवाला, जी.एस.एस.एस भलिआणा, बरनाला के जी.एम.एस लोहगढ़, जी.एच.एस. नैणेवाल, जी. एस.एस.एस. सुखपुरा, गुरदासपुर के जी.एम.एस. पंडोरी बैंसां, जी.एच.एस. बसरावां (रमसा) सरकारी सीनियर सेकंडरी स्मार्ट स्कूल, सेखपुर, पठानकोट के जी.एम.एस. हरदोसरनां, जी.एच.एस. सरती, जीएसएसएस खाथौर, तरन तारन के जी.एम.एस खवासपुर, जीएचएस खारा, जीएसएसएस लड़कियाँ खालड़ा शामिल हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.